

RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

Key Point

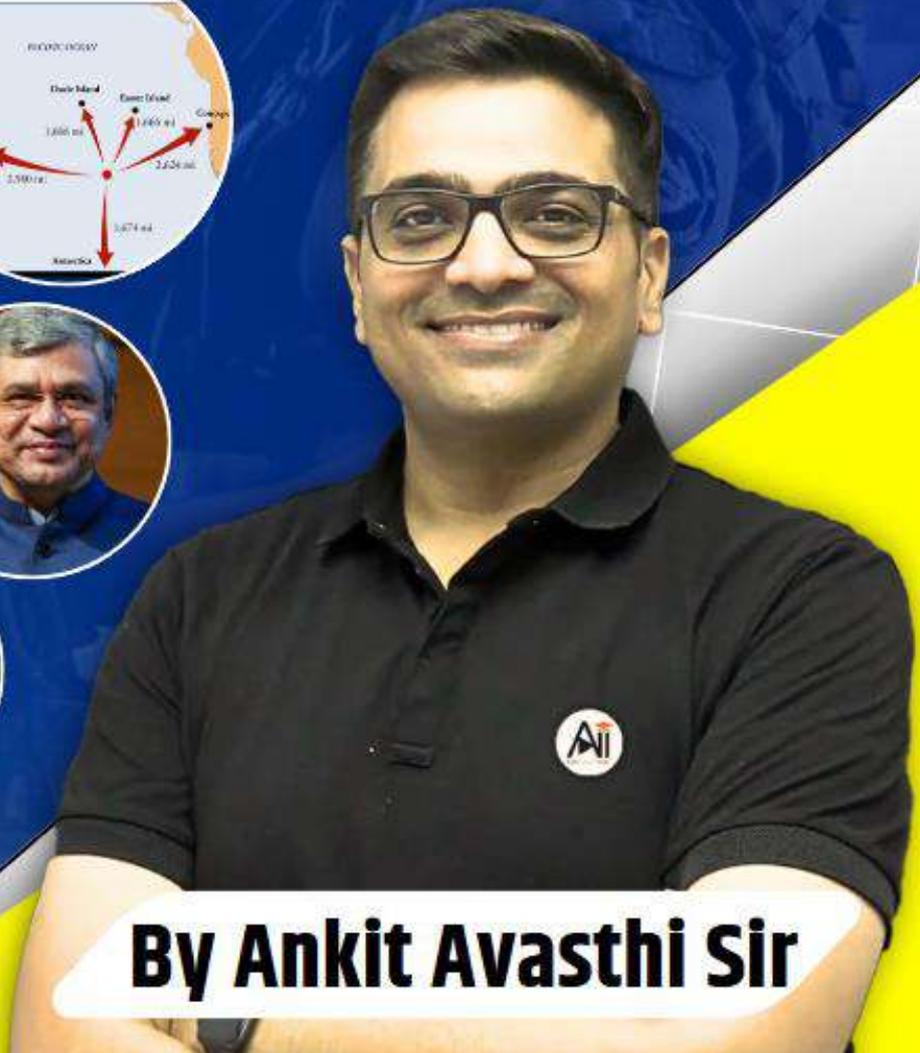
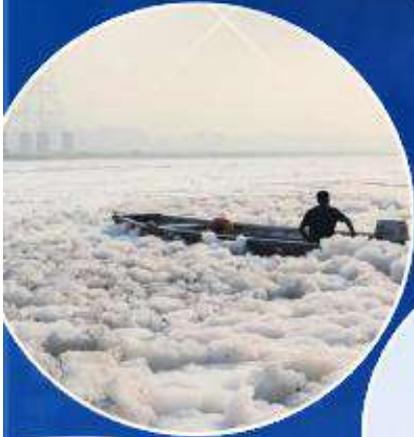
DATE

फरवरी

01

2025

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors



By Ankit Avasthi Sir

यमुना नदी अमोनिया प्रदूषण / Yamuna River Ammonia Contamination

संदर्भ:

यमुना नदी में हाल ही में **अमोनिया** स्तर के बढ़ने से जल प्रदूषण की गंभीर समस्या फिर से उजागर हुई है। इसके परिणामस्वरूप पेयजल आपूर्ति बाधित हो रही है, जिससे आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

⇒ यह समस्या बार-बार सामने आती रही है, जिससे नदी की जल गुणवत्ता और पर्यावरणीय संतुलन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

मुख्य बिंदु:

- **अमोनिया स्तर वृद्धि:** यमुना में अमोनिया स्तर लगभग **5 पीपीएम (पाट्स पर मिलियन)** तक पहुंच गया है, जो दिल्ली के जल शोधन संयंत्रों की निस्पंदन क्षमता से अधिक है।
- **प्रदूषण का कारण:** अमोनिया के उच्च स्तर का अर्थ है कि बड़ी मात्रा में **अशोधित औद्योगिक रसायन और सीवेज** नदी में प्रवेश कर रहे हैं।
- **जल आपूर्ति पर प्रभाव:** कच्चे जल की आपूर्ति श्रृंखला **प्रदूषित** हो रही है, जिससे पेयजल संकट गहराने की आशंका है।

अमोनिया:

- **रासायनिक सूत्र:** NH_3
- **स्वरूप:** रंगहीन गैस
- **उपयोग:** उर्वरकों, प्लास्टिक, सिंथेटिक फाइबर, रंगों और अन्य औद्योगिक उत्पादों के निर्माण में।

अमोनिया प्रदूषण के प्रमुख स्रोत:

- **कृषि अपवाह** (फार्मलैंड से निकलने वाला बहाव)
- **औद्योगिक अपशिष्ट जल**
- **असंसाधित सीवेज**
- **जैविक पदार्थों का विघटन** (जैसे नीली-हरी काई)

अमोनिया के उच्च स्तर के प्रभाव:

- **पानी में ऑक्सीजन की मात्रा घटती है**, क्योंकि यह नाइट्रोजन के ऑक्सीकृत रूपों में परिवर्तित हो जाती है, जिससे **जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (BOD)** बढ़ जाती है।
- **1 पीपीएम से अधिक सांद्रता** पानी में मछलियों के लिए जहरीली हो सकती है।
- **मानव शरीर पर प्रभाव:**
 - 1 पीपीएम या अधिक अमोनिया युक्त पानी का लंबे समय तक सेवन करने से **आंतरिक अंगों को नुकसान** हो सकता है।

यमुना नदी:

- **यमुना नदी** गंगा नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है।
- यह **उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले** में **निचले हिमालय** की **मसूरी श्रृंखला** में स्थित **यमुनोत्री ग्लेशियर** से निकलती है।
- यह **उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली** से होकर बहती हुई **प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)** में **संगम** पर गंगा नदी से मिलती है।

मुख्य तथ्य:

- **लंबाई:** 1376 किमी
- **महत्वपूर्ण बांध:**
 - **लखवार-व्यासी बांध** (उत्तराखंड)
 - **ताजेवाला बैराज बांध** (हरियाणा)
- **मुख्य सहायक नदियाँ:** चंबल, सिंध, बेतवा और केन



यमुना जल प्रदूषण के उपचार एवं दीर्घकालिक समाधान:

- **मीठे पानी का मिश्रण:** अमोनिया प्रदूषित जल को ताजे पानी के साथ मिलाना।
- **क्लोरीनीकरण:** जल में **क्लोरीन** या **सोडियम हाइपोक्लोराइट** जैसे यौगिक मिलाकर जीवाणु और अन्य सूक्ष्मजीवों को नष्ट किया जाता है, लेकिन क्लोरीन अत्यधिक विषैला होता है।

दीर्घकालिक समाधान:

- **अशोधित सीवेज पर रोक:** यह सुनिश्चित करना कि **अशोधित सीवेज** नदी में न जाए।
- **न्यूनतम पारिस्थितिक प्रवाह बनाए रखना:**
 - नदी में हमेशा इतना पानी प्रवाहित हो कि **जलीय पारिस्थितिकी तंत्र, ज्वारनदीय क्षेत्र (Estuarine Ecosystem)** और **मानव जीवन** को संतुलित रखा जा सके।
 - जल का **स्व-नियमन (Self Regulation)** बना रहे।

प्वाइंट निमो / Point Nemo

संदर्भ:

भारतीय नौसेना की दो युवा महिला अधिकारियों ने हाल ही में **INSV तारिणी** पर सवार होकर **दक्षिणी प्रशांत महासागर** में स्थित पृथ्वी के सबसे दूरस्थ स्थान **प्वाइंट निमो** को पार किया। यह उपलब्धि **नविका सागर परिक्रमा-II** के तहत वैश्विक नौकायन अभियान का हिस्सा है, जो महिलाओं की समुद्री क्षमता और आत्मनिर्भरता को दर्शाता है।

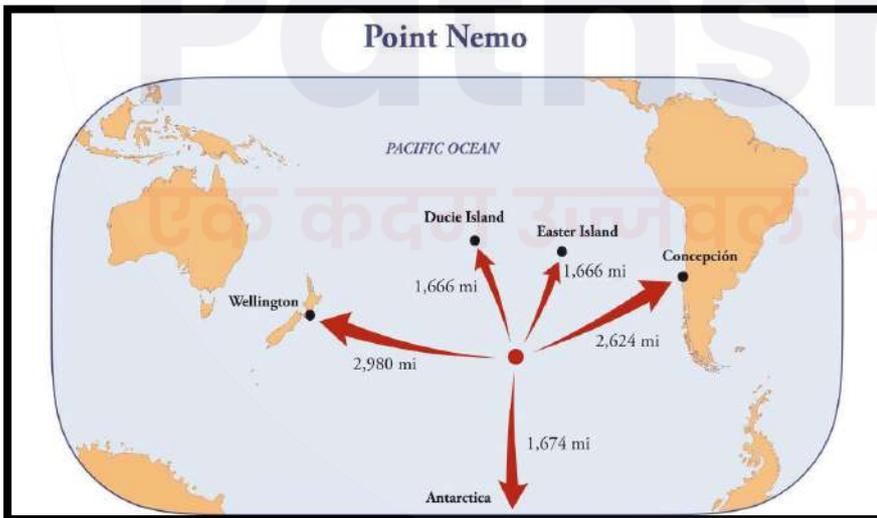
प्वाइंट निमो के बारे में:

परिचय:

- प्वाइंट निमो, जिसे "**ओशियनिक पोल ऑफ इनएक्सेसिबिलिटी**" भी कहा जाता है, पृथ्वी का सबसे दूरस्थ बिंदु है, जो किसी भी भूमि से सबसे अधिक दूरी पर स्थित है।
- यह स्थान **दक्षिण प्रशांत महासागर** में स्थित है और इसका नाम **कप्तान निमो** (जूल्स वर्न के उपन्यास "*द्वेंटी थाउजैंड लीग्स अंडर द सी*") के पात्र पर रखा गया है।

भौगोलिक स्थिति:

- यह बिंदु किसी भी भूमि से **लगभग 2,688 किमी** की दूरी पर स्थित है।
- सबसे निकटतम मानव उपस्थिति अक्सर **अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** पर होती है, जो इसके ऊपर परिक्रमा करता है।



नज़दीकी स्थल:

- उत्तर में:** ड्यूसी द्वीप (पिटकैर्न द्वीप समूह, ब्रिटिश प्रवासी क्षेत्र)।
- उत्तर-पूर्व में:** मोतु नुई (ईस्टर द्वीप, चिली)।
- दक्षिण में:** माहेर द्वीप (अंटार्कटिका)।

महासागरीय विशेषताएँ:

- इस क्षेत्र में **समुद्री जीवन बहुत कम** पाया जाता है, क्योंकि यह **दक्षिण प्रशांत जाइर (South Pacific Gyre)** में स्थित है, जहाँ समुद्री जल अत्यंत साफ और जैविक गतिविधियाँ न्यूनतम होती हैं।

अंतरिक्षीय महत्व:

- अपनी अत्यधिक दुर्गमता और समुद्री यातायात की अनुपस्थिति के कारण, **प्वाइंट निमो को अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा स्पेस जंफ (अंतरिक्ष कबाड़) गिराने के लिए उपयोग किया जाता है।**

INSV तारिणी के बारे में:

परिचय:

- INSV (Indian Naval Sailing Vessel) तारिणी** एक **56 फुट लंबी नौकायन पोत** है।
- इसे "**मेक इन इंडिया**" पहल के तहत **Aquarius Shipyard Ltd., गोवा** द्वारा निर्मित किया गया था।
- इसे **फरवरी 2017** में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।



प्रमुख विशेषताएँ:

- उन्नत सैटेलाइट संचार प्रणाली** से सुसज्जित।
- रेमरीन नेविगेशन सूट (Raymarine Navigation Suite)** और **आपातकालीन स्टीयरिंग** की सुविधा।
- अत्यधिक कठिन समुद्री परिस्थितियों में नौकायन करने में सक्षम।

Axiom मिशन 4 / Axiom Mission 4

संदर्भ:

भारतीय वायुसेना (IAF) के अधिकारी और ISRO अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को हाल ही में **Axiom Mission 4 (Ax-4)** के पायलट के रूप में नामित किया गया है। यह मिशन अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है और अंतरिक्ष क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

Axiom मिशन 4 (Ax-4):• **मिशन परिचय:**

Axiom मिशन 4 (Ax-4) एक **प्राइवेट स्पेसफ्लाइट** है जो **अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** पर भेजा जाएगा।

• **लॉन्च और अवधि:**

- मिशन की लॉन्चिंग **अप्रैल 2025** में होने की उम्मीद है।
- मिशन की **अवधि** लगभग 14 दिन होगी।

• **ऑपरेटर और यान:**

- यह मिशन **Axiom Space** द्वारा संचालित किया जाएगा।
- स्पेसफ्लाइट में **SpaceX Crew Dragon** यान का उपयोग किया जाएगा।
- इसे **Falcon 9 रॉकेट** के द्वारा **लो-अर्थ ऑर्बिट (LEO)** में भेजा जाएगा।

• **लॉन्च स्थल:** यह मिशन **NASA के केनेडी स्पेस सेंटर, फ्लोरिडा** से लॉन्च किया जाएगा।• **कू और उद्देश्य:**

- इस मिशन में **भारतीय अंतरिक्ष यात्री** के अलावा **तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री** शामिल होंगे।
- प्राइवेट अंतरिक्ष यात्री **विज्ञान, आउटरीच और वाणिज्यिक गतिविधियों** पर आधारित मिशन करेंगे।

Axiom के पिछले मिशन:

1. **Axiom मिशन 1:** अप्रैल 2022 में लॉन्च किया गया, यह दुनिया का पहला वाणिज्यिक crewed प्राइवेट अंतरिक्ष उड़ान था जो ISS पर 17 दिन रुका।
2. **Axiom मिशन 2:** मई 2023 में लॉन्च हुआ, 8 दिन कक्षा में रहा।
3. **Axiom मिशन 3:** जनवरी 2024 में लॉन्च हुआ, और 18 दिन ISS से जुड़ा रहा।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के बारे में:

- ISS एक मानव-निर्मित कृत्रिम उपग्रह है, जो निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में स्थित है, जिसकी ऊँचाई 370-460 किमी के बीच है।
- ISS के प्रमुख भागीदार:
 - यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) - यूरोपीय देशों का प्रतिनिधित्व करती है
 - NASA (संयुक्त राज्य अमेरिका)
 - जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA)
 - कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (CSA)
 - रॉसकोस्मोस (रूस)
- इसका पहला घटक 1998 में कक्षा में भेजा गया था, और इसे 2021 तक नए मॉड्यूल के साथ लगातार विस्तारित किया गया है।
- ISS कम से कम 2030 तक एक अंतरिक्ष प्रयोगशाला और आउटपोस्ट के रूप में कार्य करता रहेगा।
- इस स्टेशन का निर्माण अंतरिक्ष में टुकड़ों-टुकड़ों में किया गया था, जिसमें 40 से अधिक मिशनों की आवश्यकता पड़ी।

ISS का महत्व:

1. **अनुसंधान और विज्ञान:** यह डीएनए अनुक्रमण, रोबोटिक्स, और उपग्रह प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर वैज्ञानिक अध्ययन की अनुमति देता है, जो केवल सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण वातावरण में संभव हैं।
2. **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** यह अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देता है, जिससे अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, संचार, और शोध में प्रगति होती है।
3. **मानव स्वास्थ्य:** ISS पर किया जा रहा अनुसंधान बीमारी के निर्माण, दवाओं और निदान उपकरणों का परीक्षण, और मानव शरीर को अंतरिक्ष में समझने में मदद करता है।
4. **निम्न पृथ्वी कक्षा अर्थव्यवस्था:** यह छोटे व्यवसायों और उद्यमियों को नई प्रौद्योगिकियों का परीक्षण करने और अंतरिक्ष में उत्पादों को विकसित करने का अवसर प्रदान करता है।



भारत अपना स्वयं का वृहद भाषा मॉडल विकसित करेगा / India to Develop Its Own Large Language Model

संदर्भ:

भारत सरकार ने ₹10,370 करोड़ के IndiaAI मिशन के तहत स्वदेशी बड़ा भाषा मॉडल (Large Language Model - LLM) विकसित करने का निर्णय लिया है। यह पहल कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और भारत को वैश्विक AI नेतृत्व में आगे ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत में एआई सिस्टम विकास:

उद्देश्य: इस पहल का उद्देश्य एक घरेलू एआई सिस्टम बनाना है जो भारत की अद्वितीय संस्कृति, भाषाओं और आवश्यकताओं को समझे। यह सिस्टम स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किया जाएगा, जिससे विशिष्ट चुनौतियों और अवसरों का समाधान किया जा सके।

समयसीमा: आधारभूत एआई मॉडल के विकास में 4-8 महीने का समय लगने की उम्मीद है।

सरकार की एआई कंप्यूटर सुविधा: सरकार एक ऐसी सुविधा स्थापित करने की योजना बना रही है जो दुनिया भर में सबसे सस्ती एआई कंप्यूटिंग संसाधन प्रदान करेगी, जिससे अनुसंधान और विकास के लिए उच्च-प्रदर्शन वाले एआई उपकरणों को सुलभ बनाया जा सके।

संरचना:

- सरकार ने 10 कंपनियों को चुना है जो 18,693 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (GPUs) आपूर्ति करेंगी, जो एआई मॉडल विकास और मशीन लर्निंग टूल्स के लिए आवश्यक हैं।
- GPUs जटिल कार्यों जैसे बड़े पैमाने पर डेटा प्रोसेसिंग और क्रिप्टोक्यूरेन्सी माइनिंग के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनका उपयोग एआई मॉडल विकास को तेज़ करने में किया जाता है।
- ओडिशा में एआई डेटा सेंटर स्थापित किए जाएंगे, जो एआई अनुसंधान और प्रयोग के लिए प्रमुख हब के रूप में कार्य करेंगे।

लक्ष्य:

- इस परियोजना का उद्देश्य संस्थानों और शोधकर्ताओं को एआई बुनियादी ढांचा प्रदान करके नवाचार को बढ़ावा देना है।
- GPUs की उपलब्धता बढ़े पैमाने पर मॉडल विकास को सक्षम करेगी, जिससे अस्थायी तरीकों की बजाय अधिक व्यवस्थित, डेटा-आधारित दृष्टिकोण अपनाए जाएंगे।
- इस पहल से छात्रों, शोधकर्ताओं और संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा, जिससे एआई में प्रगति हो सकेगी।

लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (LLMs):

- परिभाषा:** ये फाउंडेशन मॉडल्स हैं जो मानव भाषा को समझने और उत्पन्न करने के लिए प्रशिक्षित होते हैं।
- आधार:** ये मॉडल गहरे अध्ययन (Deep Learning) तकनीकों पर आधारित होते हैं।
- कार्य:** LLMs को टेक्स्ट जनरेशन, भाषा अनुवाद और सारांश बनाने जैसे कार्यों के लिए प्रयोग किया जाता है।
- सुसंगतता:** ये मॉडल उत्पन्न किए गए पाठ को सुसंगत और संदर्भानुसार सही तरीके से प्रकट करने में सक्षम होते हैं।
- उपयोग:** LLMs का उपयोग टेक्स्ट को समझने, जनरेट करने और विश्लेषण करने के लिए किया जाता है।

भारत ए.आई. मिशन:

अगले पांच वर्षों में यह पहलें, जैसे IndiaAI कंप्यूट क्षमता, IndiaAI इनोवेशन सेंटर (IAIC), IndiaAI डेटासेट प्लेटफॉर्म, IndiaAI एप्लिकेशन डेवलपमेंट इनिशिएटिव, IndiaAI पर्यूरसकील्स, IndiaAI स्टार्टअप फाइनेंसिंग, और Safe & Trusted AI को समर्थन प्रदान करेंगी।

उद्देश्य: भारत के ए.आई. नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक-निजी साझेदारी मॉडल की स्थापना।

इन पहलों का उद्देश्य:

- भारत को ए.आई. में वैश्विक नेतृत्व में एक प्रमुख स्थान दिलाना।
- तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना।
- ए.आई. के नैतिक और जिम्मेदार तैनाती को सुनिश्चित करना।
- समाज के सभी वर्गों में ए.आई. के लाभ को लोकतांत्रिक रूप से फैलाना।



घग्गर नदी / Ghaggar River

संदर्भ:

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) द्वारा गठित एक संयुक्त समिति की रिपोर्ट में पाया गया है कि **घग्गर नदी** के जल में **जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (BOD)** निर्धारित सीमा से **दो से तीन गुना अधिक** है। इस उच्च प्रदूषण स्तर के कारण नदी का जल **बाहरी स्नान (outdoor bathing)** के लिए अनुपयोगी हो गया है।

बीओडी स्तर:

- **वर्तमान स्थिति:** घग्गर नदी में pH स्तर स्नान मानकों को पूरा करता है, लेकिन बीओडी (Biochemical Oxygen Demand) स्तर स्नान जल मानकों का पालन नहीं करता।
- उच्च बीओडी स्तर अत्यधिक कार्बनिक प्रदूषकों की उपस्थिति का संकेत देते हैं, जैसे कि:
 1. अनुपचारित सीवेज
 2. कृषि अपवाह (Agricultural Runoff)
 3. औद्योगिक उत्सर्जन (Industrial Effluents)
- इसके परिणामस्वरूप घुलित ऑक्सीजन (DO) की कमी हो जाती है, जिससे जल जलीय जीवन और स्नान जैसी मनोरंजक गतिविधियों के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

घग्गर नदी में जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (BOD):

परिभाषा:

- बीओडी (Biochemical Oxygen Demand) जल में मौजूद जैविक कचरे को अपघटित करने के लिए बैक्टीरिया द्वारा आवश्यक घुलित ऑक्सीजन की मात्रा को मापता है।
- इसे प्रति लीटर पानी में मिलीग्राम ऑक्सीजन (mg/L) में व्यक्त किया जाता है।

बीओडी का महत्व:

1. **जल प्रदूषण का संकेतक** - उच्च बीओडी स्तर जैविक प्रदूषकों की अधिकता को दर्शाता है, जिससे जल गुणवत्ता खराब होती है।
2. **ऑक्सीजन की कमी का मापन** - बैक्टीरिया द्वारा अत्यधिक ऑक्सीजन खपत से घुलित ऑक्सीजन (DO) घटती है, जिससे जलीय जीवन प्रभावित होता है।
3. **जल शोधन में उपयोग** - बीओडी का उपयोग सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STPs) और अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (ETPs) की दक्षता मापने के लिए किया जाता है।

जल स्रोतों में उच्च बीओडी के कारण:

- अनुपचारित सीवेज (घरेलू गंदा पानी) का निर्वहन।
- जैविक कचरे वाले औद्योगिक अपशिष्ट का प्रवाह।
- कृषि अपवाह (कीटनाशक, उर्वरक, पशु अपशिष्ट)।
- सड़े-गले पौधों और मृत जलीय जीवों का अपघटन।
- झुग्गी बस्तियों से सीधे कचरे का जल स्रोतों में प्रवाह।

उच्च बीओडी के परिणाम:

- पानी में ऑक्सीजन की कमी, जिससे मछलियों और अन्य जलीय जीवों की मृत्यु।
- जल का बदबूदार और रंग बदलना।
- पोषक तत्वों की अधिकता के कारण शैवाल वृद्धि (Algal Bloom)।
- जल जनित रोगों का प्रसार।

घग्गर नदी:

प्राकृतिक स्वरूप: यह एक **आंतरायिक (Intermittent) नदी** है, जो केवल मानसून के दौरान प्रवाहित होती है।

प्रवाह मार्ग:

- **उत्पत्ति:** हिमाचल प्रदेश के शिवालिक पहाड़ियों से।
- **राज्य:** हरियाणा और राजस्थान से होकर बहती है।
- **अंत:** थार रेगिस्तान में सूख जाती है।

सिंचाई में योगदान: यह राजस्थान में **दो सिंचाई नहरों** को जल आपूर्ति करती है।

हकरा नदी से संबंध:

- पाकिस्तान में बहने वाली **हकरा नदी** को घग्गर नदी की ही **प्राकृतिक निरंतरता** माना जाता है।
- दोनों को मिलाकर **घग्गर-हकरा नदी** कहा जाता है।

मुख्य सहायक नदियाँ:

- **कौशल्या नदी**
- **मारकंडा नदी**
- **सरस्वती (सर्सुती) नदी**
- **टंगरी नदी**
- **चौतंग नदी**

ऐतिहासिक महत्व: इस नदी के किनारे **सिंधु घाटी सभ्यता** के कई महत्वपूर्ण अवशेष मिले हैं।

प्रमुख पुरातात्विक स्थल:

1. **कालीबंगन** - हनुमानगढ़, राजस्थान
2. **राखीगढ़ी** - हिसार, हरियाणा (घग्गर-हकरा नदी मैदान में)
3. **बनावली** - फतेहाबाद, हरियाणा (सरस्वती नदी के सूखे तल पर)

सांस्कृतिक महत्व: घग्गर नदी को **ऋग्वेद में वर्णित लुभ सरस्वती नदी** माना जाता है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT)

स्थापना:

- **वर्ष 2010** में **राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010** के तहत स्थापित।
- पर्यावरण संरक्षण और संरक्षण से संबंधित मामलों के **शीघ्र और प्रभावी निपटारे** के लिए गठित।

मुख्यालय और क्षेत्रीय पीठें:

- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- **क्षेत्रीय पीठें:** भोपाल, पुणे, कोलकाता, चेन्नई



आर्थिक सर्वेक्षण 2025 / Economic Survey 2025

संदर्भ:

आर्थिक सर्वेक्षण 2025 को 31 जनवरी को जारी किया गया। इसमें अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 (FY26) में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.3% से 6.8% के बीच रह सकती है। यह अनुमान भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति और विकासशील नीतियों को दर्शाता है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025:

दो भागों में विभाजित:

भाग A:

- आर्थिक रुझानों (Economic Trends) पर केंद्रित।
- प्रमुख चुनौतियाँ और नीतिगत सिफारिशें जो सरकार की आर्थिक प्रबंधन रणनीति को प्रभावित करती हैं।

भाग B:

- विभिन्न क्षेत्रों का विस्तृत सांख्यिकीय विश्लेषण प्रदान करता है, जिनमें शामिल हैं:
 - कृषि, उद्योग, सेवाएँ, बुनियादी ढाँचा, स्वास्थ्य देखभाल, पर्यावरण संबंधी चिंताएँ

आर्थिक सर्वेक्षण 2025 मुख्य बिंदु:

जारी करने की तिथि: 31 जनवरी 2025

वर्ष 2024-25 की आर्थिक प्रगति का विश्लेषण:

आर्थिक वृद्धि:

- FY25 में वास्तविक GDP वृद्धि: 6.4%
- FY25 में वास्तविक सकल मूल्य वर्धित (GVA) वृद्धि: 6.4%
- FY26 में GDP वृद्धि अनुमान: 6.3% - 6.8%

प्रमुख क्षेत्रीय प्रदर्शन:

- कृषि क्षेत्र: औसत प्रवृत्ति से ऊपर कार्यरत।
- औद्योगिक क्षेत्र: महामारी के बाद मजबूत वापसी।
- सेवा क्षेत्र: पूर्व-कोविड स्तर पर स्थिर।

मुद्रास्फीति और बैंकिंग क्षेत्र:

- खुदरा मुद्रास्फीति: FY24 के 5.4% से घटकर 4.9% (अप्रैल-दिसंबर 2024)।
- उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति: FY26 तक 4% के आसपास स्थिर रहने की संभावना।
- बैंकों के सकल NPA: सितंबर 2024 तक 2.6% (न्यूनतम स्तर)।
- क्रेडिट-जीडीपी गैप: Q1FY23 के -10.3% से घटकर Q1FY25 में -0.3%।
- बीमा बाजार: 7.7% वृद्धि के साथ ₹11.2 लाख करोड़ (FY24)।

विदेशी निवेश और व्यापार:

- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI): 17.9% वृद्धि के साथ \$55.6 बिलियन (FY25)।
- कुल निर्यात (माल + सेवाएँ): FY25 के पहले 9 महीनों में 6% वृद्धि।

बुनियादी ढाँचा और विनिर्माण क्षेत्र:

- संघ सरकार का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स): FY20-FY24 के बीच 38.8% वृद्धि।
- औद्योगिक क्षेत्र वृद्धि: FY25 में 6.2% (प्रथम GDP अग्रिम अनुमान)।
- इस्पात उत्पादन: 4.6% वृद्धि।
- ऑटोमोबाइल घरेलू बिक्री: 12.5% वृद्धि (FY24)।
- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन: 17.5% CAGR (FY15-FY24)।
- वस्त्र, परिधान, फार्मास्युटिकल्स, और इस्पात उद्योग: सतत वृद्धि।

सेवा और कृषि क्षेत्र:

- सेवा क्षेत्र का कुल GVA में योगदान: FY14 में 50.6% से बढ़कर FY25 में 55.3%।
 - प्रमुख फोकस: कार्यबल के लिए कौशल विकास और नीतियों का सरलीकरण।
- कृषि और संबद्ध गतिविधियों का GDP में योगदान: 16% (FY24)।



आर्थिक सर्वेक्षण 2025 का इतिहास:

- आर्थिक सर्वेक्षण पहली बार 1950-51 में **केंद्रीय बजट** के भाग के रूप में प्रस्तुत किया गया।
- 1964 से, इसे एक **स्वतंत्र दस्तावेज** के रूप में प्रस्तुत किया जाने लगा।
- इस परिवर्तन का उद्देश्य बजट जारी होने से पहले **पिछले वर्ष की आर्थिक प्रगति का विस्तृत विश्लेषण** प्रदान करना था।

शैवाल प्रस्फुटन हॉटस्पॉट / Algal Bloom Hotspots

संदर्भ:

भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) द्वारा किए गए एक महत्वपूर्ण अध्ययन में भारत के **पूर्वी और पश्चिमी तटों** पर **9 प्रमुख शैवाल प्रस्फुटन (Algal Bloom) हॉटस्पॉट** की पहचान की गई है। यह अध्ययन समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और मत्स्य उद्योग पर इसके प्रभावों को समझने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्य शैवाल वृद्धि (Algal Bloom) हॉटस्पॉट:

भारत के **पूर्वी और पश्चिमी तटों** पर नौ शैवाल वृद्धि हॉटस्पॉट पहचाने गए हैं:

पश्चिमी तट:

- गोवा, मंगलुरु, कोझीकोड, कोच्चि, विजिनजाम खाड़ी

पूर्वी तट:

- गोपालपुर, कलपक्कम, पाक खाड़ी, मन्नार की खाड़ी

शैवाल वृद्धि (Algal Blooms) के बारे में:

- परिभाषा:** शैवाल वृद्धि का मतलब है जल निकायों में **फाइटोप्लांकटन** का अत्यधिक वृद्धि।
- घटना:** यह तब होती है जब जल में **सूरज की रोशनी** और **पोषक तत्वों** की प्रचुरता होती है, जिसके कारण शैवाल की **तेजी से प्रजनन** होती है।
- प्रभाव:** फाइटोप्लांकटन की घनी उपस्थिति पानी के रंग को बदल देती है।

रेड टाइड (Red Tide):

- यह एक **हानिकारक शैवाल वृद्धि** है जो **टॉक्सिन उत्पन्न करने वाले समुद्री सूक्ष्मजीवों** द्वारा होती है, जिनमें अक्सर **डिनोफ्लैगेलैट्स** (dinoflagellates) शामिल होते हैं।
- प्रभाव:** यह जल को रंगहीन बना देती है और जल में घुलित **ऑक्सीजन की कमी** और **टॉक्सिन का संचय** खाद्य श्रृंखला में समृद्ध समुद्री जीवन को नुकसान पहुंचाता है।

शैवाल वृद्धि के कारण:

शैवाल वृद्धि हॉटस्पॉट:

- पोषक तत्वों का प्रवाह (Nutrient Flux):** मानसून और तटीय उथल-पुथल (coastal upwelling) के कारण जल में पोषक तत्वों की उपलब्धता में वृद्धि होती है, जिससे शैवाल वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।
 - उथल-पुथल में ठंडा और पोषक तत्वों से समृद्ध जल सतह पर आता है।
- यूट्रिफिकेशन (Eutrophication):** पोषक तत्वों की अत्यधिक उपस्थिति शैवाल और **साइनोबैक्टीरिया** की तेज वृद्धि को समर्थन देती है।
- तापमान (Temperature):** शैवाल वृद्धि विशेष रूप से **गर्मी** या **पतझड़** में अधिक होती है, लेकिन यह किसी भी समय हो सकती है।
- द्रव्यमान (Turbidity):** जल में निलंबित कणों और जैविक पदार्थों से उत्पन्न द्रव्यमान शैवाल वृद्धि को प्रभावित करता है।
 - जब द्रव्यमान कम होता है, तो अधिक प्रकाश जल स्तंभ में प्रवेश कर सकता है, जिससे प्रकाश संश्लेषण और शैवाल वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।

शैवाल वृद्धि के प्रभाव

पर्यावरणीय प्रभाव (Ecosystem Effects):

- शैवाल वृद्धि से समुद्री जल में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है, जिससे समुद्री जीवन को खतरा होता है।
- कुछ शैवाल टॉक्सिन उत्पन्न करते हैं, जो जलजीवों के लिए हानिकारक होते हैं।

मछली पालन पर प्रभाव (Effects on Fisheries):

- शैवाल वृद्धि मछलियों और अन्य समुद्री जीवों की मृत्यु का कारण बन सकती है, जिससे मछली पालन उद्योग को नुकसान होता है।

मानव गतिविधियों पर प्रभाव (Effects on Human Activities):

- पारिस्थितिकी तंत्र और पर्यटन जैसी गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं।
- कुछ शैवाल टॉक्सिन उत्पन्न करते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक हो सकते हैं।

अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष:

- शोधकर्ताओं ने पहली बार शैवाल वृद्धि के लिए क्षेत्र-विशिष्ट **फाइटोप्लांकटन बायोमास थ्रेशोल्ड्स** (biomass thresholds) की परिभाषा दी।
- अध्ययन में **सैटेलाइट डेटा** और **मैदानी रिपोर्ट्स** का उपयोग किया गया।
- क्षेत्र-विशिष्ट **बायो-ऑप्टिकल एल्गोरिदम** और **उन्नत सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग तकनीकें** का उपयोग किया गया।
- पूर्वी तट** पर शैवाल वृद्धि **दक्षिण पश्चिम और उत्तर-पूर्व मानसून** के प्रारंभ में होती है।
- पश्चिमी तट** पर यह घटना अधिकतर **दक्षिण पश्चिम मानसून** के बाद देखी जाती है।

कुष्ठ रोग संचरण / Leprosy Transmission

संदर्भ:

केंद्र सरकार ने 2027 तक संक्रमण रोकने के उद्देश्य से **पॉसी-बैसिलरी (PB) मामलों** के लिए **दो-दवा प्रणाली की जगह नई तीन-दवा प्रणाली** को मंजूरी दी है। यह उपचार **6 महीने** तक चलेगा और कुष्ठ रोग के प्रभावी नियंत्रण में सहायक होगा।

कुष्ठरोग (Leprosy):

कुष्ठरोग, जिसे **हैन्सन रोग** भी कहा जाता है, एक दीर्घकालिक संक्रामक रोग है जो एक प्रकार के बैक्टीरिया, **Mycobacterium leprae** के कारण होता है।

रोग के प्रभाव:

- यह रोग मुख्य रूप से **त्वचा** और **परिधीय तंत्रिकाओं** को प्रभावित करता है।
- इलाज न होने पर यह रोग प्रगति कर स्थायी विकलांगता का कारण बन सकता है।
- शारीरिक विकृति के अलावा, कुष्ठरोग से प्रभावित व्यक्तियों को **कलंक** और **भेदभाव** का सामना भी करना पड़ता है।

रोग का वैश्विक प्रभाव:

- यह एक **नज़रअंदाज किया गया उष्णकटिबंधीय रोग (NTD)** है जो अभी भी **120 से अधिक देशों में** पाया जाता है, और हर साल **200,000 से अधिक नए मामले** रिपोर्ट होते हैं।
- कुष्ठरोग सभी आयु वर्गों में हो सकता है, चाहे वह **बाल्यकाल** हो या वृद्धावस्था।

कुष्ठरोग का संचरण (Transmission):

- यह रोग **लंबे समय तक, करीबी संपर्क** के दौरान, बिना इलाज के कुष्ठरोगी के **नाक और मुँह से निकलने वाली बूंदों** के माध्यम से फैलता है।
- यह रोग सामान्य संपर्क (जैसे हाथ मिलाना, गले मिलना, भोजन साझा करना या एक साथ बैठना) से नहीं फैलता।
- उपचार शुरू करने के बाद रोगी अब संक्रमण नहीं फैलाता।

कुष्ठरोग के लक्षण (Symptoms):

- यह बैक्टीरिया के संपर्क में आने के बाद लक्षण प्रकट होने में आमतौर पर **3 से 5 वर्ष** का समय लेता है।
- कुष्ठरोग का मुख्य लक्षण **असामान्य त्वचा घाव, गाँठें** या **धक्के** होते हैं जो कई हफ्तों या महीनों तक ठीक नहीं होते।
- कुछ मामलों में, शरीर के हिस्से अपनी **स्पर्श और दर्द की भावना** खो सकते हैं, जिससे चोटें जैसे कि कट और जलन होने की संभावना बढ़ जाती है।

कुष्ठरोग का उपचार (Treatment):

- कुष्ठरोग एक **इलाज योग्य रोग** है।
- वर्तमान में अनुशंसित उपचार में **तीन दवाइयों** (dapson, rifampicin, और clofazimine) का संयोजन होता है, जिसे **मल्टी-ड्रग थेरेपी (MDT)** कहा जाता है।

भारत में कुष्ठ रोग उन्मूलन की प्रगति:

- **2005 में उपलब्धि:** भारत ने 2005 में कुष्ठ रोग को **सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या** के रूप में समाप्त किया।
- **WHO परिभाषा:** **1 लाख की जनसंख्या पर 10 से कम मामले** को उन्मूलन माना जाता है।

प्रमुख पहल:

1. राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (NSP) और रोडमैप (2023-27)

- **शुरुआत:** 30 जनवरी 2023 को लॉन्च किया गया।
- **लक्ष्य:** 2027 तक संक्रमण समाप्त करना (SDG लक्ष्य से 3 वर्ष पहले)।
- **मुख्य फोकस:**
 - **जागरूकता बढ़ाना** (कलंक और भेदभाव मिटाने के लिए)।
 - **मामलों की जल्द पहचान** सुनिश्चित करना।
 - **संक्रमण रोकथाम** (Post-Exposure Prophylaxis के जरिए)।
 - **Nikusth 2.0** (वेब-पोर्टल के माध्यम से मामलों की रिपोर्टिंग)।

2. राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (NLEP) पहल

- **जल्द पहचान पर जोर** (Grade 2 Disabilities रोकने के लिए)।
- **मुफ्त उपचार** की सुविधा उपलब्ध।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !



ANKIT AVASTHI

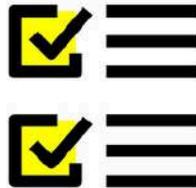


RRB NTPC

TEST SERIES

- ✓ 100+ Mock Test
- ✓ 78 Sectional Test
- ✓ 40+ years PYPs
- ✓ 60+ Current affairs

TEST



Only

99 *Per Year*

Buy Now



GA FOUNDATION

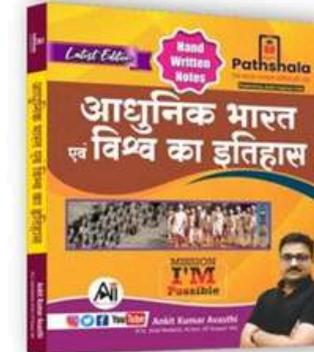
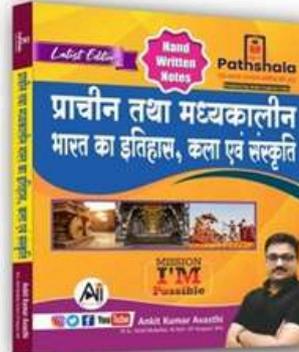
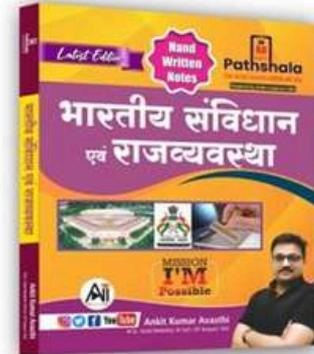
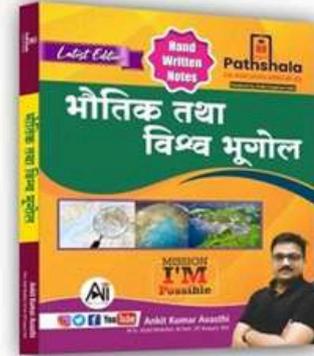
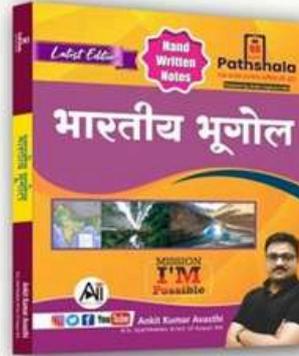
Hand Written
Notes


Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर


Ani
Ankit Inspires India

₹ **Only**
1999

4 पुस्तकों
का
सम्पूर्ण सेट



अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

 **7878158882**



APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP

TEST SERIES

UPPSC

(TEST SERIES)

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

RO/ARO

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

BPSC

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299
YEAR

SSC

(TEST SERIES)

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR

RPF

(TEST SERIES)

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR



Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

▶ POLITY ▶ ECONOMICS
▶ HISTORY ▶ GEOGRAPHY

FOR ALL

 DAILY LIVE CLASSES

 WEEKLY TEST

 CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)

 LIVE DOUBT SESSIONS

 DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs

4999/-



Apni Pathshala  7878158882

 Apni.Pathshala  kaankit  AnkitAvasthiSir  Avasthiankit

ONLY POLITY



1499
RS

DAILY LIVE CLASSES

-  WEEKLY TEST
-  CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
-  LIVE DOUBT SESSIONS
-  DAILY PRACTISE PROBLEM

Apni Pathshala  **7878158882**

 Apni.Pathshala  kaankit  AnkitAvasthiSir  Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)



Only at

99/- Year

Enroll Now!

